समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

भारत मे फिर बढ़े कोरोना केस : नया वेरिएंट कितना खतरनाक ? ICMR ने दी यह अहम जानकारी।

Publisher

Published on 27 May 2025

दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र मे संबसे ज्यादा मामले, सरकार ने की तैयारी तेज।

नई दिल्ली, 27 मई 2025: भारत में एक बार फिर कोरोना वायरस ने दस्तक दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में **कोविड-19** के नए मामलों की संख्या 1,000 के पार पहुंच गई है। राजधानी दिल्ली में **99 एक्टिव केस दर्ज** किए गए हैं, वहीं **महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक** और **राजस्थान** जैसे राज्यों में भी नए मामलों की पुष्टि हुई है।

कौन-से नए वेरिएंट से बढ़े मामले ?

कोविड के मामलों में इज़ाफा **NB.1.8.1, LF.7** और **JN.1** जैसे नए **वेरिएंट्स** की वजह से देखा जा रहा है। ये वेरिएंट **अमेरिका** और **चीन** सहित अन्य एशियाई देशों में भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वेरिएंट पहले से अधिक संक्रामक हो सकते हैं, लेकिन अब तक किसी घातक परिणाम की पुष्टि नहीं हुई है।

ICMR ने क्या कहा ?

ICMR के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा है कि देश में बढ़ते कोविड मामलों को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। "अब तक अधिकतर केस गंभीर नहीं हैं। सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है और सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं," उन्होंने बताया।

किन राज्यों में सबसे ज्यादा मामले ?

स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार :

१. **केरल – 430 केस**

२. **महाराष्ट्र – 209 केस**

३. **दिल्ली – 104 केस**
४. **कर्नाटक – 90 केस**
५. **राजस्थान (जयपुर) – 50 से अधिक केस**

कोरोना से हुईं मौते

कोविड-19 की वजह से अब तक **महाराष्ट्र मे 3, केरल मे 2, कर्नाटक** और **जयपुर मे 1-1** लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। हालांकि, सभी मामलों में मरीज पहले से गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे।

दिल्ली सरकार की एडवाइजरी

दिल्ली सरकार ने सभी अस्पतालों को **कोविड-19** के बढ़ते मामलों को देखते हुए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। इसमें **ऑक्सीजन, बेड, दवाओं** और **वैक्सीन्स** की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही गई है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

---

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.